Medium_HindiPassage_6003

महिला सशक्तिकरण: समानता और राष्ट्र निर्माण की शक्ति

Words: 548, Characters: 2666 **LEVEL: MEDIUM**

किसी भी देश या समाज का सच्चा विकास तभी संभव है जब वहां की महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार 91
और अवसर प्राप्त हों। प्राचीन काल से ही भारत में महिलाओं को शक्ति का प्रतीक माना गया है लेकिन बीच के 191
कुछ दशकों में समाज में कई तरह की कुप्रथाओं ने जन्म ले लिया था जिससे महिलाओं की स्थिति काफी 282
कमजोर हो गई थी। आज के आधुनिक भारत में महिला सशक्तिकरण एक बहुत ही महत्वपूर्ण और गंभीर विषय 372
बन चुका है। हमारे देश की कुल आबादी का लगभग 48 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है और अगर यह आधा 461
हिस्सा विकास से पीछे रह जाएगा तो देश कभी भी पूरी तरह से तरक्की नहीं कर पाएगा। पिछले 20 सालों में 558
शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया है। आज देश में महिलाओं की साक्षरता दर 656
लगभग 65 से 70 प्रतिशत तक पहुंच गई है जो पहले के मुकाबले काफी बेहतर है। हर साल 10वीं और 12वीं की 752
बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियों का पास प्रतिशत लड़कों की तुलना में 5 से 10 प्रतिशत अधिक रहता है। सरकार ने 855
भी लड़कियों की शिक्षा और उनके विकास के लिए कई बड़ी और सफल योजनाएं चलाई हैं। बेटी बचाओ बेटी 946
पढ़ाओ जैसी योजना के कारण आज कई राज्यों में लिंगानुपात में बहुत सुधार देखने को मिला है और अब 1000 1043
लड़कों पर 1020 लड़कियों का आंकड़ा दर्ज किया गया है जो एक बहुत ही सकारात्मक और बड़ी खबर है। इसके 1139
अलावा सुकन्या समृद्धि योजना के तहत लगभग 3 करोड़ से अधिक नए बैंक खाते खोले गए हैं जिनमें माता पिता 1237
अपनी बेटियों के भविष्य और उनकी पढ़ाई के लिए पैसा जमा कर रहे हैं। आज भारत की महिलाएं केवल घर की 1332
चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं बल्कि वे राजनीति विज्ञान खेल व्यापार और सेना जैसे हर क्षेत्र में अपनी 1430
कामयाबी का परचम लहरा रही हैं। हमारी सेना में भी अब महिलाओं को लड़ाकू विमान उड़ाने और युद्धपोतों पर 1529
तैनात होने की मंजूरी मिल गई है। हाल ही में हुए ओलंपिक और कॉमनवेल्थ खेलों में भी भारत के कुल पदकों में से 1634
लगभग 40 प्रतिशत पदक हमारी महिला खिलाड़ियों ने ही जीते हैं। गांवों में रहने वाली महिलाओं को आर्थिक रूप 1736
से स्वतंत्र बनाने के लिए 50 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं जिनसे लगभग 6 करोड़ महिलाएं 1833
सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं अपना खुद का छोटा व्यापार शुरू कर रही हैं और हर 1938
महीने 10000 से 15000 रुपये आसानी से कमा रही हैं। पंचायत चुनावों में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत से 2038
लेकर 50 प्रतिशत तक सीटें आरक्षित की गई हैं ताकि वे गांव के विकास में अपना सीधा योगदान दे सकें। 2133
डिजिटल इंडिया अभियान के तहत भी ग्रामीण महिलाओं को कंप्यूटर और इंटरनेट की ट्रेनिंग दी जा रही है। अब 2232
तक लगभग 2 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से साक्षर बनाया जा चुका है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में 2331
भी मातृत्व वंदना योजना जैसी नीतियों के तहत हर साल लगभग 1 करोड़ गर्भवती महिलाओं को 6000 रुपये की 2427
आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाती है ताकि वे अपना और अपने बच्चे का अच्छा पोषण कर 2521
सकें। 18 साल से कम उम्र की लड़कियों के लिए स्कूलों में मुफ्त किताबें और साइकिल बांटने की योजनाएं भी 2621
कई राज्यों में बहुत सफलता के साथ चल रही हैं। 2666